मुख्य परीक्षा

प्रश्न- **पिछले कई दशकों से कश्मीर में बढ़ते आतंकवाद के पीछे कई कारण प्रभावी रहे हैं। इससे निपटने के लिए हाल ही में भारत सरकार ने 'ऑपरेशन ऑल आऊट' प्रारंभ किया है। इसके बारे में चर्चा करते हुए बताएं कि यह अपने उद्देश्यों में कहाँ तक सफल रहा है? (250 शब्द)**

Many reasons have been effective in increasing the terrorism in Kashmir during last few decades. Indian government has recently started 'Operation all out' to tackle this. Discussing this, elucidate to what extent it has been successful in attaining its objectives? (250 Words)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और उसके बढ़ने के कारणों को बताएं।
- अगले पैराग्राफ में 'ऑपरेशन ऑल आऊट' को बताएं।
- फिर अगले पैराग्राफ में 'ऑपरेशन ऑल आऊट' के उद्देश्यों एवं प्रभावों को बताएं।
- अंत में संक्षिप्त में निष्कर्ष दें।

भारत में आतंकवाद का प्रारंभ पंजाब में खालिस्तान के आंदोलन से हुआ। सरकार की प्रभावी रणनीति के कारण इसे कठोरता से नियंत्रित किया गया, किन्तु इसका विस्तार जम्मू-कश्मीर एवं देश के अन्य भागों में हो गया।

जम्मू-कश्मीर मिलिटेंसी और आतंकवाद से सर्वाधिक पीड़ित रहा है। विगत वर्षों में यहाँ होने वाले आतंकी हमलों में 14 हजार से अधिक नागरिक तथा 5 हजार से अधिक सुरक्षा बल के जवान शहीद हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समस्या के लिए उत्पन्न कारण:-

- सामाजिक-आर्थिक विकास का अभाव
- जम्मू-कश्मीर की समस्या के प्रति अधिकांश राजनीति दलों का दृष्टिकोण।
- मिलिटेंसी और आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए इस्लाम धर्म की मान्यताओं का सहारा लेकर हिंसा करना।
- अच्छे शासन के लक्षणों का अभाव होना।
- देश के सुधारवादी कानून और संविधान संशोधनों का जम्मू-कश्मीर में लागू न होना।
- लोगों में जागरूकता तथा भागीदारी का अभाव।

ऑपरेशन ऑल आऊट:- 2016 में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की कार्यवाही के दौरान आतंकवादी बुरहान वानी के एनकाउंटर के बाद उपजी आतंकवादी गतिविधियों को कम करने के लिए, इसे भारतीय सुरक्षा बालों द्वारा 2017 में प्रारंभ किया। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण राज्य में शांति स्थापित करने हेतु आतंकवादियों का सफाया करना और स्थानीय युवाओं को आतंकवाद का रास्ता अपनाने के लिए हतोत्सहित करना तथा जम्मू-कश्मीर के निवासियों के अंदर व्याप्त भय को समाप्त करना है। इस सैन्य ऑपरेशन में भारतीय सेना, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस, सीमा सुरक्षा बल तथा इंटेलीजेंस ब्यूरो शामिल हैं। यह मुख्यत: लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिद्दीन और अल्बदर सहित कई आतंकवादी समूहों के खिलाफ चलाया जा रहा है।

प्रभाव:-

- यह मुख्यत: उत्तरी, मध्य और दक्षिणी कश्मीर में जारी है।
- इस अभियान के दौरान काफी आतंकवादी मारे गए। साथ ही जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन जैसे खूँखार आतंकी समूहों के प्रमुख आतंकी कमांडरों के खात्मे से इन संगठनों को काफी झटका लगा है।
- हालांकि, ऑपरेशन आल आऊट के कारण आतंकवादी घटनाओं पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है परन्तु आतंकी घटनाओं में काफी कमी आई है।

अत: घाटी में शांति के लिए ऑपरेशन ऑल आऊट के साथ-साथ विकासात्मक कार्यों का क्रियान्वयन भी आवश्यक है और सरकार ने दोनों उपायों को अपनाया है।

अंत में संतुलित एवं सारगर्भित निष्कर्ष दें।